उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग

गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार–249404

☎ 01334-244143
01334-244282(F)

संख्याः 517 /01D/डी0आर0/सेवा–1/2012–13 दिनांक 8 .12.2016

कार्यालय ज्ञाप

आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग के अन्तर्गत ऋषिकुल राजकीय आयुर्वेदिक फॉर्मेसी, हरिद्वार में प्रबन्धक स्टेट फॉर्मेसी के सीधी भर्ती के रिक्त पदों पर चयन हेतु प्रकाशित विज्ञापन सं0–02/डी0आर0/सेवा–1/2012–13 दिनांक 08.02.2013 के क्रम में स्क्रीनिंग परीक्षा का आयोजन किया जाना है। स्क्रीनिंग परीक्षा का पाठ्यक्रम एवं परीक्षा योजना अभ्यर्थियों के सूचनार्थ प्रस्तुत है। स्क्रीनिंग परीक्षा की तिथि की घोषणा बाद में की जाएगी :–

परीक्षा योजना

1. स्क्रीनिंग परीक्षा–वस्तुनिष्ठ प्रकार
2. समय अवधि–02 घण्टे
3. कुल प्रश्नों की संख्या–150
4. पूर्णांक–150

1- Screening Examinantion-Objective Type
2- Time Allowed : 02 Hours
3- Total No. of Questions : 150
4- Maximum Marks :150

पाठ्यक्रम

(1)आयुर्वेदिक तिब

मौलिक सिद्वान्त एवं संहिता

(अ) पदार्थ विज्ञान

1. आयुर्वेद की परिभाषा एवं उसके लक्षण
2. दर्शन एवं सांख्य की परिभाषा
3. पदार्थ की परिभाषा, लक्षण एवं भेद
4. द्रव्य की परिभाषा एवं लक्षण
5. पंच–महाभूत की उत्पत्ति
6. सामान्य, विशेष एवं समवाय का ज्ञान
7. गुर्वादि गुण, परादि गुण
8. कर्म की परिभाषा एवं भेद

(ब) आयुर्वेद का इतिहास

1. आयुर्वेद का अवतरण (विविध अवधारणाएं)
2. वेद कालीन आयुर्वेद
3. आयुर्वेद का क्रमिक विकास
4. वृहद–त्रयी चरक, सुश्रुत एवं वाग्भट संहिताओं पर हुई टीकायें एवं टीकाकार
5. लघुत्रयी (माधव, शारंगधर एवं भाव प्रकाश)
6. चरक संहिता (सूत्र स्थान, विमानस्थान, कल्प स्थान, इंद्रिय स्थान)
7. अष्टांग हृदय सूत्र स्थान

रचना शारीर एवं क्रिया शारीर

(अ) रचना शारीर

1. शारीर की परिभाषा
2. गर्भ शारीर
3. प्रमाण शारीर
4. अस्थि शारीर एवं सन्धि शारीर
5. सिरा, धमनी एवं स्रोतस् शारीर
6. लसीका संस्थान (लिम्फेटिक सिस्टम)
7. पेशी शारीर
8. कोष्ठ, कला, त्वक् ग्रन्थि एवं उत्सांगीय, तंत्रिका शारीर (मस्तिष्क एवं तंत्रिका तंत्र)
9. इन्द्रिय शारीर
10. मर्म शारीर

(ब) क्रिया शारीर

1. पंच महाभूत
2. *सृष्टि उत्पत्ति क्रम*
3. शारीरिक एवं मानसिक दोष
4. दोषों के गुण, कर्म एवं भेद
5. दोषज प्रकृति एवं मानस प्रकृति
6. आहार, पाक, कर्म
7. अग्नि (जठराग्नि, धात्वाग्नि एवं भूताग्नि)
8. धारणीय एवं अधारणीय वेग
9. धातु एवं उपधातु का विस्तृत ज्ञान

10. धातु पोषण क्रम
11. ओज की परिभाषा एवं इसके गुण, ओज के भेद
12. ***मल की परिभाषा एवं प्रकार (आहार मल, धातु मल, इंद्रिय मल)***
13. निन्द्रा (स्लीप)
14. ***मन के गुण एवं कर्म***

स्वस्थ वृत्त

1. आयुर्वेद एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार स्वास्थ्य की परिभाषा
2. दिनचर्या, रात्रिचर्या, एवं ऋतुचर्या
3. सद्–वृत्त
4. त्रि स्तम्भ (आहार, निद्रा, ब्रह्मचर्य)
5. जनपदोध्वंस एवं जनपदोध्वंसक व्याधियां
6. दूषित जल के लक्षण
7. दूषित वायु के लक्षण
8. दूषित देश के लक्षण
9. दूषित काल के लक्षण
10. जल के प्रकार, स्रोत एवं जलशोधन विधियां
11. जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण
12. संक्रामक रोगों (औपसर्गिक रोग) का ज्ञान
13. ***ई. एस. आई. एक्ट एवं फैक्ट्रीज एक्ट (राज्य कर्मचारी बीमा कानून– 1948 एवं कारखाना कानून– 1948)***
14. एड्स एवं रतिजन्य व्याधियां (फिरंग, पूयमेह, उपदंश)
15. योग की परिभाषा एवं अष्टांग–योग
16. निसर्गोपचार
17. प्राथमिक स्वास्थ्य
18. परिवार कल्याण कार्यक्रम
19. स्वास्थ्य प्रशासन
20. स्वास्थ्य विषयक सांख्यिकी

द्रव्य गुण

1. द्रव्य गुण शास्त्र की परिभाषा, सप्तपदार्थ, (द्रव्य, गुण, रस, कर्म, वीर्य, विपाक प्रभाव), पंच पदार्थ (रस, गुण वीर्य, विपाक प्रभाव) का ज्ञान
2. द्रव्य गुण शास्त्र से सम्बन्धित ग्रन्थों का ज्ञान

3. जान्तव, वानस्पतिक एवं खनिज द्रव्यों का ज्ञान
4. चरक, सुश्रुत एवं भावप्रकाश में वर्णित औषधीय द्रव्यों का परिचय, गुण, कर्म, क्षेत्रीय नाम, कुल एवं प्रयोज्यांग का ज्ञान
5. अन्न पानोंपयोगी द्रव्यों का परिचय एवं गुणधर्म
6. ***WHO द्वारा अनुमोदित अनिवार्य द्रव्यों का ज्ञान, प्रलुप्त हो रहे औषधियों, पादपों का उत्पादन, सरक्षण एवं संग्रहण***
7. फार्माकोगोनोसी का ज्ञान

8. निम्न औषधिय पादपों का विस्तृत विवरण –

1. अहिफेन	2. अग्निमंथ	3. अगरू
4. आमलकी	5. अपामार्ग	6. आरग्वध
7. अदरकशुण्ठी	8. अर्जुन	9. अर्क
10. अश्वगंधा	11. अश्वगोला	12. अशोक
13. अतिविष	14. बाकुची	15. बला
16. भारंगी	17. भल्लातक	18. विभीतक
19. बीजाका / विजयसार	20. बिल्व	21. ब्राह्मी
22. भृंगराज	23. बृहती	24. चन्दन
25. चित्रक	26. दाड़िम	27. दन्ती
28. दारूहरिद्रा	29. धान्यक	30. धातकी
31. द्राक्षा	32. दूर्वा	33. ऐला
34. एरण्ड	35. गम्भारी	36. गोक्षुर
37. गुड़ची	38. गुग्गुलु	39 हरिद्रा
40. हरीतकी	41. हिंगु	42. जम्बू
43. जटामांसी	44. जातिफल	45. जीरक
46. ज्योतिष्मती	47. कालमेघ	48. कम्पिल्लक
49. कचनार	50. कंटकारी	51. कपिकच्छु
52. काकड़ाश्रृगी	53. कर्पूर	54. कुटकी
55. खदिर	56. किरातिक्त	57. कुमारी
58. कुपीलु	59. केशर	60. कुश्मांड
61. लवंग	62. कुटज	63. लोध्र
64. मदनफल	65. मंजिष्ठा	66. मरिच
67. मारकंडिका	68. मूसली	69. मुस्ता
70. नागकेशर	71. निम्ब	72. निर्गुण्डी
73. पलाश	74. प्लाण्डु	75. पाषाणभेद
76. पाटला	77. पटोल	78. पिप्पली
79. पुनर्नवा	80. रासना	81. रसोन
82. शैरेयक	83. शालाखी	84. सप्तपर्ण

85. सर्पगन्धा
86. सारिवा
87. शालपर्णी
88. शाल्मली
89. शंखपुष्पी
90. शतावरी
91. शतपुष्पा
92. शिगरू
93. शिरीष
94. श्योनाक
95. तालीशपत्र
96. तिल
97. त्रिवृत
98. तुलसी
99. त्वक्
100. उशीर
101. वच
102. वरूण
103. वासा
104. वत्सनाभ
105. विदारी
106. विडंग
107. यष्टीमधु
108. यवानी
109. देवदारू

रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना

खण्ड – (अ) रस शास्त्र

1. रसशास्त्र का इतिहास, ग्रन्थ परिचय
2. रसशाला निर्माण एवं आधुनिक फार्मेसी के स्वरूप का ज्ञान
3. रस परिभाषा, महारस, धातु, उपधातु, रत्न, उपरत्न, विष– उपविष, सुधा, सिकता, क्षार वर्ग, शोधन मारण, एवं विशिष्ट योग
4. आवाप, निर्वाप, ढालन, भावना, जारण, मारण, पातन, मूर्च्छना, अमृतीकरण, सत्वपातन, द्रुति, पोटली रसायन
5. सम्यक भस्म निर्माण के लक्षण एवं परीक्षण
6. रस शास्त्र से सम्बन्धित यंत्र–उपयंत्र, पुट, मूषा, कोष्ठी एवं औषधी निर्माण सहायक आधुनिक यंत्रों/संयत्रों का परिचय
7. हिगुलोत्थपारद, पारदसंस्कार, गतियाँ, कज्जली, निर्माण, पर्पटी, रससिंदूर, मकरध्वज निर्माण।
8. रस औषधियों का मानकीकरण
9. औषधीय संरक्षा एवं सुरक्षा की अवधारणा
10. जी0 एम0 पी0 के सम्बन्ध में सम्यक ज्ञान
11. पिष्टी निर्माण

खण्ड – (ब) भैषज्य कल्पना

1. पंच कषाय कल्पना परिभाषा एवं निर्माण विधि
2. क्षीरपाक, क्षार निर्माण, क्षारसूत्र निर्माण
3. मान परिभाषा, भेद, आयुर्वेदिक मान तथा आधुनिक मान का सहसंबध
4. औषधियों का संग्रह, संरक्षण एवं भण्डारण का आयुर्वेदिक एवं आधुनिक मतानुसार ज्ञान
5. लेह कल्पना एवं स्नेह कल्पना की परिभाषा, परीक्षण, निर्माण में सावधानियां
6. ***संधान कल्पना का आयुर्वेदीय एवं आधुनिक ज्ञान***

7. पथ्य कल्पना, लेप निर्माण
8. तैल, मूर्च्छना, तैल निर्माण परीक्षण
9. औषधि एवं सौन्दर्य प्रसाधन अधिनियम–1940, औषधि एवं सौन्दर्य प्रसाधन नियम– 1945
10. चूर्ण कल्पना, वटी निर्माण (आयुर्वेदिक एवं आधुनिक अवधारणा)

अगद–तंत्र व्यवहार आयुर्वेद एवं विधि वैद्यक

1. विष परिभाषा, विष प्रकार, विषयोनि
2. विषाक्त भोजन के लक्षण
3. प्राचीनकाल में सामरिक विष प्रयोग एवं उसका प्रतिकार
4. उपविष, दूषीविष, गरविष
5. विष के दस गुण
6. विष की गति
7. विषयुक्त लक्षण
8. विष पीत के लक्षण
9. परमाणु एवं रसायन युद्व के प्रभाव
10. विष चिकित्सा के सिद्वान्त
11. विभिन्न सर्प, कीट, लूता आदि की विषमयता के लक्षण एवं चिकित्सा
12. खनिजविषों (पारद, नाग, वंग, गिरिपाषाण) के लक्षण एवं चिकित्सा
13. विष अधिनियम, 1919 एवं घातक विष अधिनियम, 1930
14. मादक द्रव्य एवं साइकोट्रोपिक अधिनियम, 1985
15. फार्मेसी एक्ट, 1948
16. न्यायालयों के प्रकार
17. व्यभिचार, अप्राकृतिक कर्म, गर्भपात, भ्रूण हत्या
18. मृत्युत्तर शव परीक्षण

रोग विज्ञान एवं विकृति विज्ञान

1. दोष क्षय एवं दोष वृद्वि के लक्षण
2. शाखा से कोष्ठ एवं कोष्ठ से शाखा दोष गमन के कारक
3. दोषों का चय, प्रकोप आदि का कारण
4. षट् क्रिया काल
5. रोग–मार्ग
6. व्याधियों की द्वन्द्वात्मकता
7. बीज दुष्टि एवं तज्जन्य रोग

8. स्रोतों दुष्टि के निदान एवं लक्षण
9. स्रोतों की दुष्टि से धातुओं के दो विभाग
10. अपजनन एवं पूय निर्माण
11. अन्तःस्रावी ग्रन्थियां एवं संबधित विकार
12. धातु प्रदोषज विकार
13. मल प्रदोषज विकार
14. इन्द्रिय प्रदोषज विकार
15. दोष–धातु सम्मूर्च्छना
16. दोष–लक्षण, व्याधि लक्षण
17. रोगों का वर्गीकरण एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सामंजस्य
18. अष्ट निन्दितीया पुरूष
19. ओजोव्यापत्
20. अर्बुद (सौम्य एवं घातक–कर्कटार्बुद)
21. सामदोष, सामदूष्य, साममल लक्षण
22. निदान पंचक– (निदान, पूर्वरूप, रूप, उपाशय, अनुपाशय, संप्राप्ति)
23. अष्टविध परीक्षा, दशविध परीक्षा, षड्विध परीक्षा, त्रिविध परीक्षा
24. रोग व्यवच्छेदत्व
25. जीवतिक्ति हीनता जनित व्याधियां
26. व्याधिक्षमत्व
27. सूक्ष्म जीवाणु एवं इनका महत्व, कृमि
28. निर्जीवाणुकरण, जीवाणु रंजन की विभिन्न विधियां
29. उपद्रव एवं अरिष्ट

शल्यतंत्र

1. व्रण शोफ एवं विद्रधि, निदान, प्रकार, लक्षण, आम एवं पक्कावस्था के लक्षण
2. सद्यः व्रण, दुष्टव्रण
3. मर्माघात के लक्षण एवं चिकित्सा उपक्रम
4. यंत्रों के नाम संख्या, प्रकार
5. संज्ञानाश एवं इसके प्रकार, संज्ञाहरण में प्रयुक्त औषधि, उपद्रव एवं उपद्रव निवारण में प्रयुक्त औषधि
6. अष्टविध शस्त्रकर्म
7. व्रणबंधन विधि एवं रक्षा कर्म
8. क्षार, क्षार के प्रकार एवं क्षार कर्म, अग्नि कर्म
9. जलौका का प्रकार एवं जलौका विचारण

10. रक्त मोक्षण की विभिन्न विधियां
11. अबुर्द वर्गीकरण एवं चिकित्सा
12. स्नायु विकार
13. धमनी विकार
14. काण्ड भग्न, सन्धि भग्न, प्रकार लक्षण एवं चिकित्सा
15. स्तन विद्रिध, स्तनार्बुद
16. उरोविद्रधि, फुफ्फसवृद्धि, फुफ्फसार्बुद
17. उदर आघातज विकार, अंतर्विद्रिधि
18. गुदज विकार (अर्श, भगन्दर) प्रकार, लक्षण, चिकित्सा
19. वस्ति विकार
20. क्षार सूत्र चिकित्साकर्म

शालाक्य तंत्र

1. शलाक्यतंत्र की परिभाषा
2. नेत्र शारीर एवं नेत्र शरीर क्रिया विज्ञान
3. रोग हेतु विज्ञान, नेत्र रोगों के प्रकार एवं चिकित्सा
4. सन्धिगत रोग, वर्त्मगत रोग
5. शुक्लगतरोग
6. कृष्णगतरोग
7. दृष्टिगतरोग
8. सर्वगतरोग
9. शिरोरोग
10. मुखरोग
11. कर्णरोग
12. नासागतरोग
13. ओष्ठरोग
14. दन्तरोग
15. जिह्वारोग
16. कण्ठगतरोग
17. संधानकर्म, नासासंधान, कर्णसंधान

स्त्री–प्रसूति एवं कौमार भृत्य

1. स्त्री शारीर विज्ञान
2. ऋतुकाल, रजः प्रवृत्ति, रजोनिवृत्ति एवं उसके चिकित्सीय लक्षण
3. गर्भावक्रान्ति, गर्भ सम्भव सामग्री, षड्धात्वात्मक पुरूष
4. गर्भ मासानुमासिक वृद्धिक्रम, गर्भपोषण, गर्भ की स्थिति
5. अपरा विकृति
6. सद्योगृहीत गर्भ के लक्षण, गर्भोपघातकर भाव, गर्भिणीपरिचर्या, द्वहत की अवमानना से उत्पन्न उपद्रव
7. पुसवन विधि
8. गर्भव्यापद, गर्भस्राव, गर्भपात, उपविष्टक, नागोदर, लीनगर्भ, आक्षेपक, पाण्डु, कामला, विबंध, परिकर्तिका
9. मृतगर्भ के लक्षण, प्रसवोत्तर रक्तस्राव
10. प्रसव–परिभाषा, आसन्न प्रसवा के लक्षण, प्रसव काल तथा इसका प्रबंधन
11. प्रसव व्यापद, सूतिका काल, योनिव्यापद
12. शुद्ध स्तन्य, स्तन्य परीक्षा, स्तन्य दुष्टि
13. मूढ़ गर्भ हेतु लक्षण, भेद एवं चिकित्सा
14. काश्यप संहिता का परिचय एवं काल
15. गर्भज, बालक, कुमार की परिभाषा
16. सद्योजात, जातमात्र की परिचर्या, कुमारागार
17. कर्ण छेदन
18. प्रसवोत्तर व्याधियाँ, (नाभिरोग, आक्षेपक, राजिका, परिदग्ध)
19. कुकूणक, पारिगर्भिक, फक्क, शोष, शैषवीय पक्षाघात, शय्यामूत्रता
20. बालग्रह

काय चिकित्सा (मेडिसीन)

1. काय चिकित्सा की परिभाषा एवं चिकित्स्य पुरूष
2. व्याधि परिभाषा एवं भेद
3. रोगों के नामकरण का सिद्वान्त
4. आमदोष चिकित्सा सूत्र
5. यूनानी, तिब्ब एवं आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों का सामान्य सिद्धान्त एवं परिचय
6. निम्न व्याधियों के निदान सम्प्राप्ति, पूर्व रूप, रूप एवं उपद्रव एवं चिकित्सा सिद्वान्त :–
   ज्वर, अजीर्ण, अग्निमांद्य, छर्दि, अतिसार, प्रवाहिका, विसूचिका, गुल्म, कास, श्वास, हिक्का, राजयक्ष्मा, हृदयरोग, पाण्डु, कामला, आमवात, कुष्ठ, विसर्प, वातरक्त, सन्धिवात, मूत्रकृच्छ, मुत्राघात, अम्ल पित्त, उन्माद, अपस्मार, मूर्च्छा, संन्यास, अतत्वाभिनिवेष तथा वातव्याधियाँ

7. रसायन परिभाषा, प्रयोजन, प्रकार विभिन्न योग
8. वाजीकरण परिभाषा, पर्याय, प्रयोजन, वाजीकरण योग।

पंचकर्म विज्ञान

1. पंचकर्म परिभाषा एवं प्रयोजन
2. स्नेहन एवं स्वेदन हेतु योग्य एवं अयोग्य रोगी
3. अति स्निग्ध एंव अति स्वेदित के लक्षण।
4. पंचकर्म (वमन, विरेचन, शिरोविरेचन, आस्थापन, अनुवासन) का अयोग, अतियोग एवं अतियोग जन्य उपद्रव
5. पंचकर्म में प्रयुक्त यंत्र
6. पंचकर्म में प्रयुक्त होने वाली प्रमुख औषधीयां
7. पंचकर्म में प्रयुक्त होने वाले मुख्य औषधिय तैल
8. वस्तियंत्र गुण एवं दोष
9. कर्म संख्या, अधिष्ठान एवं मात्रा के आधार पर वस्ति के प्रकार
10. संसर्जन कर्म विधि

(1)Ayurvedic Tib - Syllabus

Maulik Siddhant evam samhita

(A) Padarth Vigyan

1. Definition of Ayurveda and its Symptoms
2. Definition of Darshna and Sankhya
3. Definition of Padartha, Lakshane & Types
4. Definition and Lakshna of Dravya
5. Uttapatti of Panch-Mahabhoot
6. Knowledge of Samanya, Vishesh & Samwaya
7. Guruvadi Guna & Paradi Guna
8. Defination & Types of Karma

(B) Ayurveda ka Itihas

1. Ayurveda-Avatanarna (Various Concept)
2. Ved Kalin Ayurveda
3. Eventual developement of Ayurveda
4. Vrihad-Trai, Charak, Sushrut & Vagbhatta, Samhitas commentries & Commentators
5. Laghutrai (Madhav, Sarangdhara & Bhav Prakash)
6. Charak Samhita (Sutra Sthan, Vimana Sthan, Kalp Sthan, Indriya Sthan)
7. Ashtanga Hridaya -Sutra Sthan

Rachna Sharir and Kriya Sharir (Anatomy and Physiology)

(A) Rachna Sharir

1. Definition of Sharir

2. Garbh Sharir

3. Pramana Sharir

4. Ashti and Sandhi Sharir

5. Sira, Dhamni & Shrotas Sharir

6. Lasika Sansthan (Lymphatic system)

7. Peshi Sharir

8. Koshtha, Kala, Twak, Granthi and Uttamangiya Tantrika sharir (Brain & Nervous System)

9. Indriya Sharir

10. Marma Sharir

(B) Kriya Sharir

1. Pancha Mahabhuta

2. Srishti Utpatti Krama

3. Sharirik and Mansik Doshas

4. Guna, Karma and Bheda of Doshas

5. Doshaj Prakriti and Manas Prakrati

6. Ahar, Pak, Karma

7. Agni (Jatharagni, Dhatwagni and Bhootagni)

8. Dharniya and Adharniya Vegas

9. Detailed Knowledge of Dhatu and Updatu

10. Dhatu Poshan Karm

11. Definition of Oja and its properties, Types of Oja

*12. **Definition of Mal and Types (Ahar mal, Dhatu mal, Indriya mal)***

13. Nindra (Sleep)

*14. **Gunas & Karmas of man***

Swasth-Vritt

1. Definition of Health according to Ayurveda and World Health Organisation (WHO)
2. DinCharya, RatriCharya & RituCharya
3. Sad-Vritta
4. Tri-stambha (Ahar, Nidra, Brahmcharya)
5. Janpadodhwans & Janpado-Dhwansak Diseases
6. Characters of Dushit-Jal
7. Characters of Dushit-Vayu
8. Characters of Dushit-Desh
9. Characters of Dushit-Kaal
10. Types, Sources and Purification methods of water

11. Pollution of Water, Noise and Air

12. Knowledge of Infectious diseases

13. ***Empolyees' State Insurance (ESI) Act- 1948 and Factory Act- 1948***

14. Acquired Immun Deficiency Syndrome (AIDS) and Sexually Transmited Diseases (STD) (Syphilis, Gonorrhea, Chancroid)

15. Definition of Yoga & Ashtang- Yoga

16. Nisargopchar

17. Primary Health

18. Family Welfare programme

19. Health – Administration

20. Health Realeted Statistics

Dravya gun

1. Definition of Drayaguna Shastra, Sapta Padarth (Dravya, Guna, Ras, Karma, Virya, Vipak Prabhav), Knowledge of Panch Padarth (Ras, Gun, Virya, Vipak Prabhav)
2. Knowledge about books regarding Dravya Gun Shastra
3. Knowledge of jantav, vanaspatik and khaniz dravyas
4. Parichaya, Gun, Karma, Reginal name, Family, Useful part of drugs mention in Charak, Sushrut & Bhav Prakash
5. Parichaya and Gundharma of Annpanoyogi dravya
6. ***Knowledge of W.H.O. approved essential drug list production, cultivation and conservation of underdanger medicinal plant***
7. Knowledge of Pharmacognosy
8. Detailed Knowledge of following medicinal plants

1.	Ahiphena	2.	Agnimantha	3.	Agaru
4.	Amalaki	5.	Apamarga	6.	Aragvadha
7.	Adraka-sunti	8.	Arjuna	9.	Arka
10.	Ashvagandha	11.	Ashvagola	12.	Asoka
13.	Ativisha	14.	Bakuchi	15.	Bala
16.	Bharangi	17.	Bhallataka	18.	Bibhitaka
19.	Bijaka/Vijayasara	20.	Bilva	21.	Brahmi
22.	Bhringaraj	23.	Brihati	24.	Chandan
25.	Chitraka	26.	Dadima	27.	Danti
28.	Daruharidra	29.	Dhanyaka	30.	Dhataki
31.	Draksha	32.	Durva	33.	Ela
34.	Eranda	35.	Gambhari	36.	Gokshura
37.	Guduchi	38.	Guggulu	39.	Haridra
40.	Haritaki	41.	Hingu	42.	Jambu
43.	Jatamansi	44.	Jatiphala	45.	Jeeraka
46.	Jyotishmati	47.	Kalamegha	48.	Kampillaka
49.	Kanchanara	50.	Kantakari	51.	Kapikacchu
52.	Karkatakshringi	53.	Karpura	54.	Katuki
55.	Khadira	56.	Kiratatikta	57.	Kumari
58.	Kupilu	59.	Kesara	60.	Kushmanda
61.	Lavanga	62.	Kutaja	63.	Lodhra
64.	Madanaphala	65.	Manjishtha	66.	Maricha
67.	Markandika	68.	Musali	69.	Musta
70.	Nagakeshara	71.	Nimba	72.	Nirgundi
73.	Palasha	74.	Palandu	75.	Pashanabheda
76.	Patala	77.	Patola	78.	Pippali
79.	Punarnava	80.	Rasna	81.	Rasona
82.	Saireyaka	83.	Shallaki	84.	Saptaparna
85.	Sarpagandha	86.	Sariva	87.	Shalaparni
88.	Shalmali	89.	Shankshapushpi	90.	Shatavari
91.	Shatpushpa	92.	Shigru	93.	Shirisha
94.	Shyonaka	95.	Talisa patra	96.	Tila
97.	Trivrut	98.	Tulasi	99.	Tvak
100.	Ushira	101.	Vacha	102.	Varuna
103.	Vasa	104.	Vatsanabha	105.	Vidari

106. Vidanga 107. Yastimadhu 108. Yavani
109. Devadaru

Ras Shastra Avam Bhaishjya Kalpna

(A) Ras Shastra

1. History of Ras shastra, Granth Parichaya
2. Ras Shala Nirman and knowledge about modern Pharmacy
3. Definition of Ras, Maharas, Dhatu, Updhatu, Ratna, Upratna, Visa, Upvisha, Sudha, Sikta, Ksharvarg, Shodhan, Maran and Vishisht Yoga
4. Avapa, Nirvapa, Dhalan, Bhawna, Jarana, Marana, Patan, Murchhan, Amritikarana, Satwapatan, Druti, Potali Rasayana
5. Lakshan of Samyak Nirmit Bhasma and its Parikshan
6. Yantra, Upyantra, Puta, Musa, Kosthi, and modern equipments for manufacturing of drugs
7. Hingolotha Parad, Parad sanskar, Gatiya, Kajjali Nirman, Parpati, Ras Sindur, Makar dhwaja nirman
8. Standardization of Rasausadhi
9. Concept of Drug Safety
10. Knowledge about GMP
11. Pisti Nirman

(B) Bhaisajya Kalpana

1. Panch Kasaya kalpana, Definition and preparation method
2. Knowledge of Kshir pak, Kshar niram, kshar sutra nirman
3. Definition of Maan (measurements), Kind of maan, correlation of Ayurvedic maan and modern maan

4. Collection, Preservation and storage of aushadhi (According to Ayurvedic and modern view)
5. Definitaion of sneh kalpana and Leha kalpana, Parikshan, Precaution during manufacturing
6. ***Sandhan kalapna (Ayurvedic and modern knowledge)***
7. Pathya kalpna, lepa Nirman
8. Tail Moorschhana, Tail nirman Parikshan
9. Drugs and Cosmetics Act 1940, Drugs and Cosmetics Rules 1945
10. Churna kalpna, Vati nirman (Ayurvedic and Modern Concept)

Agad-Tantra Vyavhar-Ayurveda Avam Vidhi- Vaidyak

1. Definition, Types & Yoni of Visha
2. Characters of poisoned meal
3. Uses of poisons and its treatment during war in ancient period
4. Up-Visha; Dushi-Visha; Gara-Visha
5. Ten qualities of Visha
6. Visha-Gati
7. Characters of Vish Yukta
8. Characters of poisoned person
9. Nuclear & Chemical war effects
10. Principles of Vish-Chikitsa
11. Poisoining & its treatment of Sarpa, Keet, Loota, etc
12. Symptoms and treatment of mineral poisons (Parad, Nag, Vang, Giri-Pashan)
13. The Poisons Act, 1919, The Dangerous Drugs Act, 1930
14. Narcotic Drugs & Psychotropic Substances Act, 1985

15.Pharmacy Act, 1948

16.Types of Courts

17.Byabhichar, Aprakritik Karam, Abortion, Foeticide

18.Post mortem examination

Roga Vigyan avam Vikriti Vigyan

1. Lakshanas of Dosh-Vridhi & Dosh-Kshaya
2. Causes of Dosha-Gaman from Shakha to koshtha and vice-versa
3. Causes of Chaya, Prakopa of dosha
4. Shat kriyakala
5. Roga-Marga
6. Dwandatmakata of diseases
7. Beej Dushti & diseases caused by it
8. Nidan & Lakshan of Srotasa dushti
9. Two groups of Dhatu on the basis of Srotasa
10. Necrrosis & pus formation
11. Endocrine glands and related disorder
12. Dhatu pradoshaj vikar
13. Mala pradoshaj vikar
14. Indriya pradoshaj vikar
15. Dosh-Dhatu-Sammoorchhana
16. Dosha-Lakshana & Vyadhi-Lakshana
17. Classification of rogas & Correlation with WHO Classification of diseases
18. Ashta-Ninditapurush

19. Ozo-Vyapad

20. Arbud (Somya & Ghatak Karkatar Buda)

21. Sam-Dosha, Sam-Doshya; & Sam-mal Lakshana

22. Nidna-Panchaka (Nindan, Poorvroopa, Roopa, Upashaya, Anupashaya, Samprapti)

23. Asht-Vidh Pariksha ; Dash-vidh, Pariksha, Shad-vidh Pariksha; Tri vidh Pariksha

24. Roga-Vyavachchedatwa

25. Jeevtikti Heenta janit Vyadhiya

26. Vyadhi Chamatva

27. Micro bacteria and it's Importance, Krami

28. Nirjeevanu karan, Different method of Bacteria Dyes

29. Updrava and Arist

Shalya Tantra

1. Vrana shoph and vidradhi, Nidhan, Prakar, lakshan. Lakshan of aam and Pakwawastha
2. Sadhya Vrana, Dusta vrana
3. Symptoms of Marmaghata and Chikitsha Upakaram
4. Name of Yantra, Sankhaya and Prakara
5. Sangya nash and it's type, Useful drugs for Sangyaharan, Complication and drugs used to manage Compalications
6. Astavidha Shastra Karma
7. Vrana Bandhan Vidhi awam Raksha Karma
8. Kshar, Kind of Kshar,Kshar Karma, Agni karma

9. Types of Jalauka avam Jalauka wacharana

10. Different Type of Raktamokshana (Blood letting)

11. Classification of Arbud and Treatment

12. Snau Vikar

13. Dhamani Vikar

14. Kanda Bhagna, Sandhi Bhagna, Types, Symptoms and Treatment

15. Stan vidradhi, Stanarbuda

16. Urovidhradhi, Fuffusvidharadhi, Fuffusarbud

17. Udaraghataj vikar, Antarvidradhi

18. Gudaj vikar (Arsh, Bhagandar), Type, Lakshan and Chikitsha

19. Vasti vikar

20. Kshar Sutra Chikitsa Karma.

Shalakya Tantra

1. Definition of Shalakya Tantra
2. Anatomy and Physiology of Netra (Eye)
3. Etiology, Clinical features and Treatment of Netra Roga
4. Sandhigat roga, vartmagata roga
5. Shuklagata roga
6. Krishnagata roga
7. Dristigata roga
8. Sarvagata roga
9. Siro roga

10. Mukha roga

11. Karna roga

12. Nasagat roga

13. Ostha roga

14. Danta roga

15. Jihwa roga

16. Kantha gata roga

17. Sandhan karma (Plastic surgery) Nasa Sandhana, Karma Sandhana

Stri-Prasuti and Kaumary Bhritya

1. Stri-Sharir Vigyan
2. Ritukala, Rajo Pravritti, Rajo Nivritti and its Clinical features
3. Garbhavakranti, Garbha sambhav samagri, Shadadhatwatmak Purush
4. Garbha masanumasik vriddhikram, Garbh poshan, Garbh ki Stithi
5. Apara Vikriti
6. Sadyograheet Garbha ke lakshan, Garbhopghatkar bhav, Garbhiniparicharya douhrid ki awmanana se utpanna upadrav (Complications)
7. Punsavan method
8. Garbh vyapad (Garbhaasrav, Garbhapat, Upavishtak, Nagodar, Leengarbha, Akshepak, Pandu, Kamla (Icterus) Vibandh, Prikartika)
9. Mritgarbh ke lakshan, Post partum heamorhage
10. Parturition (Prasav)- Definition, Aasanna prasava ke lakshan, Prasav kal and its management
11. Prasav vyapad, Sutikakal, yonivyapad

12. Shudha stanya, Stanya Pariksha, Stanyadushti

13. Moodh Garbha hetu lakshan, bhed and chikitsa

14. Introduction of kashyap samhita & its period

15. Definition of Garbha, Balak, Kumar

16. Sadyojaat, Jaat matra ki Paricharya and Kumaragaar

17. Karna chhedan

18. Prasavottar vyadhiyan (Post partum Diseases)

    (Nabhi Rog, Akshepak, Razika, Paridadha)

19. Kukoonak, Paarigarbhik, Fakka, shosh, shaishviya Pakshaghat, Shayya mutra (Bedwetting),

20. Bal graha

Kaya Chikitsha (Medicine)

1. Definition of Kayachikitsa and Chikitsya purush
2. Definition of vyadhi & its bheda
3. Principle of Nomenclature of Diseases
4. Chikitsa sutra of Amadosha
5. Common Principle and Introduction of unani Tibb & Modern Medicine
6. Principles of Treatment and Nidan Samprapti, Purvarupa, rupa and upadrava of following diseases :- Jwar, Azeerna, Agnimandya, Chhardi, Atisara, Pravahika, Visuchika, Gulma, Kasa shwasa, Hikka, Rajyakshma, Haridroga, Pandu, Kamla, Amavata, Kushtha, Visarpa, Vatarakta, Sandhivata, Mutrakrichha, Mutraghat, Amla Pittta, Unmada, Apasmara, Murchha, Sanyas, Atatwabhinivesha and Vata vyadhiyan
7. Definition of Rasayana, Synonyms, Types and different rasayana yoga